**International Research Journal of Human Resources and Social Sciences**
**ISSN(O): (2349-4085) ISSN(P): (2394-4218)**
**Impact Factor- 5.414, Volume 5, Issue 1, January 2018**
**Website-** www.aarf.asia, **Email** : editor@aarf.asia , editoraarf@gmail.com

# माध्यमिक स्तर की शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र की छात्राओं की कैरियर प्राथमिकता का तुलनात्मक अध्ययन

**उपमा सिंह**
शोधार्थी, शिक्षा विभाग
आर.के.डी.एफ. विश्वविद्यालय, भोपाल (म.प्र.)
**डॉ. अनामिका पाण्डेय**
प्राध्यापक, शिक्षा विभाग
आर.के.डी.एफ. विश्वविद्यालय, भोपाल (म.प्र.)

**प्रस्तुत शोध पत्र में माध्यमिक स्तर की शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र की छात्राओं की कैरियर प्राथमिकता का तुलनात्मक अध्ययन किया गया है। न्यादर्श के रूप में 200 छात्राओं का चयन कर उन पर 'कैरियर प्राथमिकता रिकार्ड' का प्रशासन किया गया तथा प्राप्त प्राप्तांकों के आधार पर छात्राओं की विभिन्न क्षेत्रों में कैरियर प्राथमिकता का अध्ययन किया गया। प्राप्त परिणामों के अनुसार शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र की छात्राओं की कैरियर प्राथमिकता के दूरसंचार व पत्रकारिता, कला व प्रारूप, विज्ञान व तकनीकी, चिकित्सा, पर्यटन व सत्कार उद्योग, कानून व व्यवस्था, शिक्षा क्षेत्रों में रूचि में सार्थक अंतर नहीं पाया गया जबकि कृषि, वाणिज्य व प्रबंध, रक्षा क्षेत्रों में रूचि में सार्थक अंतर पाया गया तथा ग्रामीण क्षेत्र की छात्राओं में, शहरी क्षेत्र की छात्राओं की तुलना में कैरियर प्राथमिकता के कृषि, वाणिज्य व प्रबंध, रक्षा क्षेत्रों में बेहतर रूचि पाई गई।**

षिक्षा मानव के विकास हेतु प्रयुक्त किये जाने वाला प्रमुख माध्यम है, बल्कि यह जीवन की एक अनिवार्य आवष्यकता तथा सामाजिक प्रक्रिया है जिसके द्वारा ही वह भौतिक प्रगति के साथ साथ अध्यात्मिक पूर्णता की अनुभूति करता है। प्राचीन काल से लेकर आधुनिक काल या 21वीं सदी तक मानव अपनी प्रगति के विभिन्न उपाय को क्रियान्वित करने की कोषिष में रहा साथ ही औद्योगिक और व्यवसायिक प्रगति के संदर्भ में अपना प्रयास करने मे जुटा रहा, समाज के षिक्षाविदों का यह प्रयास रहा है कि षिक्षा के साथ साथ व्यवसाय का चुनाव करने के लिए निर्देषन देना अनिवार्य है, जिससे छात्र अपनी क्षमता एवं रूचि के अनुसार उचित व्यवसाय का चुनाव कर सके।

राष्ट्रीय षिक्षा नीति 1986 तथा नई षिक्षा पद्धति 10+2+3 दोनों में ही हाईस्कूल योग्यता के बाद व्यवसायिक एवं औद्योगिक षिक्षा पर बल दिया गया इसके अनुसार विद्यार्थी अपनी रूचि, अभिरूचि, बौद्धिक स्तर एवं अपनी कार्यक्षमता के अनुसार जीवन यापन के लिए विभिन्न व्यवसायों मे से कोई एक व्यवसाय अपने आर्थिक विकास के लिए चुन सकेंगे, जिससे वह राष्ट्र की प्रगति में भी अपना योगदान दे सकेंगे। ऐसी स्थिति में षिक्षकों, माता–पिता, परामर्षदाताओं, षिक्षाविदों आदि का यह कर्त्तव्य बन जाता है, कि वह बालकों को उचित समय पर उचित मार्गदर्षन दें, जिससे उनका जीवन संवर सके और भावी जीवन में निष्कंटक मार्ग पर सफलता पूर्वक अग्रसर होते रहें। इसी उद्देष्य की पूर्ति हेतु षोधार्थी ने माध्यमिक स्तर की

**© Associated Asia Research Foundation (AARF)**
A Monthly Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International e-Journal - Included in the International Serial Directories.

षहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र की छात्राओं की कैरियर प्राथमिकता का तुलनात्मक अध्ययन करने का प्रयास, इस अध्ययन द्वारा किया है।

प्रस्तुत शोध से संबंधित पूर्व में भी कुछ शोध कार्य किये गये हैं जैसे – **साहेब, एस.जे. (1980)** ने अपने अध्ययन में पाया कि छात्रों की षैक्षिक क्षेत्र में षैक्षिक योग्यता बेहतर थी, उनमें नेतृत्व, लेखन, विज्ञान योग्यता, एवं षारीरिक कार्य क्षमता भी प्रदर्षित हुई। छात्रों की व्यावसायिक रूचि एवं व्यावसायिक पसंद पर सामाजिक–आर्थिक स्तर का प्रभाव नहीं था। **मैरी, जॉन (1981)** के अध्ययन के निष्कर्षतः ज्ञात हुआ कि मध्यम एवं उच्च आय समूह के किषोरों की तुलना में निम्न आय समूह एवं संस्थागत किषोर भविष्य की दृष्टि से कम सोचते है। **तोमर, (1985)** के अध्ययन के निष्कर्षतः ज्ञात हुआ कि किषोरों की व्यावसायिक रूचि में उनकी समाजिक–आर्थिक स्थिति के आधर पर अंतर देखा गया। किषोरों की व्यावसायिक पसंद एवं व्यावसायिक सम्मान में समानता पाई गई। **आफशान (1991)** के अध्ययन के निष्कर्षतः ज्ञात हुआ कि षहरी एवं ग्रामीण छात्राओं के चारित्रिक विषेषताओं में उनके माता–पिता की षिक्षा या व्यवसाय के आधार पर कोई भिन्नता नहीं पाई गई। प्रतिभाषाली षहरी एवं ग्रमीण छात्राओं की व्यावसायिक रूचियां लगभग समान पाई गई है। **यादव, आर. (1999)** ने अपने अध्ययन के निष्कर्षतः पाया कि किशोर संगीत और अन्य कलाओं से संबंधित कार्य की अपेक्षा प्रशासनिक कार्य में अधिक रूचि रखते हैं। उच्च बुद्धि वाले छात्र भौतिक विज्ञान के क्षेत्र में कार्य अधिक पसंद करते हैं। **मोहपात्रा, मंजरी मंजुला (2004)** ने अपने अध्ययन के निष्कर्षतः पाया कि भौतिक विज्ञान, जीव विज्ञान तथा गणना के क्षेत्र में छात्राओं की रूचि छात्रों से सार्थक रूप से उच्च पाई गई, व्यापार के क्षेत्र में छात्र व छात्राओं की रूचि में सार्थक अंतर नहीं पाया गया जबकि कला के क्षेत्र में छात्रों की रूचि छात्राओं से सार्थक रूप से उच्च पाई गई। **विकास, वरूण (2008)** ने स्नातक स्तर पर विद्यार्थियों का आधुनिकीकरण के प्रति अभिवृति का उनके लिंग एवं व्यवसयिक शिक्षा के संदर्भ में अध्ययन किया और पाया कि स्नातक स्तर पर लिंग एवं व्यवसायिक शिक्षा के आधार विद्यालयों के आधुनिकीकरण के प्रति अभिवृति में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया। **त्रिवेदी, दिव्या (2009)** ने अपने अध्ययन में पाया कि लड़के एवं लड़कियों की व्यावसायिक रूचियों में भिन्नता पाई जाती है। शिक्षित परिवार के लड़के–लड़कियों की व्यवसायिक रूचियां लगभग समान पाई गई। परिवार की सामाजिक एवं आर्थिक स्तर का व्यावसायिक रूचि पर कोई प्रभाव नहीं पाया गया। **बघेल, हेमलता एवं चतुर्वेदी, वंदना (2013)** ने अपने अध्ययन के निष्कर्षतः पाया कि माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की व्यवसायिक रूचि का व्यक्तित्व घटक, सामाजिक–आर्थिक स्तर से सार्थक धनात्मक सहसंबंध पाया गया।

**उद्देश्य**

माध्यमिक स्तर की षहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र की छात्राओं की कैरियर प्राथमिकता के विभिन्न क्षेत्रों में रुचि का तुलनात्मक अध्ययन करना।

**परिकल्पना**

माध्यमिक स्तर की षहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र की छात्राओं की कैरियर प्राथमिकता के विभिन्न क्षेत्रों में रुचि में सार्थक अंतर नहीं पाया जायेगा।

**उपकरण**

कैरियर प्राथमिकता रिकार्ड (C.P.R.) – डॉ. विवेक भार्गव व राजश्री भार्गव

**विधि**

पस्तुत शोध कार्य हेतु भोपाल जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के माध्यमिक विद्यालयों की कक्षा दसवीं में अध्ययनरत् 200 छात्राओं (100 शहरी एवं 100 ग्रामीण) का चयन यादृच्छिक न्यादर्श विधि द्वारा कर उन पर 'कैरियर प्राथमिकता रिकार्ड' का प्रशासन किया गया तथा कैरियर प्राथमिकता के विभिन्न क्षेत्रों का अध्ययन करने हेतु मास्टर शीट तैयार की गई। मध्यमान, मानक विचलन एवं क्रांतिक अनुपात परीक्षण के द्वारा आंकड़ों का विश्लेषण किया गया एवं प्राप्त परिणामों के आधार पर निष्कर्ष प्राप्त किये गये।

**परिणामों का विश्लेषण**

**परिकल्पना** : माध्यमिक स्तर की षहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र की छात्राओं की कैरियर प्राथमिकता के विभिन्न क्षेत्रों में रुचि में सार्थक अंतर नहीं पाया जायेगा।

**तालिका**

**माध्यमिक स्तर की शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र की छात्राओं की कैरियर प्राथमिकता के विभिन्न क्षेत्रों में रुचि संबंधी तुलनात्मक परिणाम**

| कैरियर प्राथमिकता के क्षेत्र | निवास क्षेत्र | संख्या | मध्यमान | मानक विचलन | क्रांतिक अनुपात मान | 'पी' मान |
|---|---|---|---|---|---|---|
| दूरसंचार व पत्रकारिता | षहरी | 100 | 9.29 | 3.75 | 1.29 | > 0.05 |
| | ग्रामीण | 100 | 8.64 | 3.35 | | |
| कला व प्रारूप | षहरी | 100 | 9.40 | 4.11 | 1.20 | > 0.05 |
| | ग्रामीण | 100 | 10.02 | 3.09 | | |
| विज्ञान व तकनीकी | षहरी | 100 | 9.63 | 4.49 | 0.30 | > 0.05 |
| | ग्रामीण | 100 | 9.46 | 3.33 | | |
| कृषि | षहरी | 100 | 6.42 | 3.38 | 3.39 | < 0.01 |
| | ग्रामीण | 100 | 8.08 | 3.55 | | |
| वाणिज्य व प्रबंध | षहरी | 100 | 6.07 | 3.79 | 2.64 | < 0.01 |
| | ग्रामीण | 100 | 7.50 | 3.86 | | |
| चिकित्सा | षहरी | 100 | 8.56 | 4.29 | 1.19 | > 0.05 |
| | ग्रामीण | 100 | 9.24 | 3.74 | | |
| रक्षा | षहरी | 100 | 6.42 | 3.77 | 2.64 | < 0.01 |
| | ग्रामीण | 100 | 7.81 | 3.68 | | |
| पर्यटन व सत्कार उद्योग | षहरी | 100 | 9.49 | 3.62 | 0.45 | > 0.05 |
| | ग्रामीण | 100 | 9.27 | 3.27 | | |
| कानून व व्यवस्था | षहरी | 100 | 8.61 | 4.16 | 0.85 | > 0.05 |
| | ग्रामीण | 100 | 9.09 | 3.84 | | |
| शिक्षा | षहरी | 100 | 7.81 | 3.94 | 1.12 | > 0.05 |
| | ग्रामीण | 100 | 8.41 | 3.62 | | |

स्वतंत्रता के अंश – 198 0.05 स्तर के लिये निधार्रित न्यूनतम मान – 1.97

0.01 स्तर के लिये निधार्रित न्यूनतम मान – 2.60

उपरोक्त सारणी में प्रदर्शित परिणामों से स्पष्ट है कि माध्यमिक स्तर की षहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र की छात्राओं की कैरियर प्राथमिकता के दूरसंचार व पत्रकारिता, कला व प्रारूप, विज्ञान व तकनीकी, चिकित्सा, पर्यटन व सत्कार उद्योग, कानून व व्यवस्था, शिक्षा क्षेत्रों में सांख्यिकीय दृष्टिकोण से सार्थक अंतर नहीं है, क्योंकि इनके लिए प्राप्त क्रांतिक अनुपात के मान क्रमशः 1.29, 1.20, 0.30, 1.19, 0.45, 0.85, 1.12 स्वतंत्रता के अंश 198 पर सार्थकता के 0.05 स्तर के लिये निर्धारित न्यूनतम मान 1.97 से कम हैं जबकि कैरियर प्राथमिकता के कृषि, वाणिज्य व प्रबंध, रक्षा क्षेत्रों में सांख्यिकीय दृष्टिकोण से सार्थक अंतर है, क्योंकि इन क्षेत्रों के लिए प्राप्त क्रांतिक अनुपात के मान क्रमशः 3.39, 2.64, 2.64 स्वतंत्रता के अंश 198 पर सार्थकता के 0.01 स्तर के लिये निर्धारित न्यूनतम मान 2.60 से अधिक हैं।

अतः उपरोक्त परिणामों के आधार पर निष्कर्षतः कहा जा सकता है माध्यमिक स्तर की षहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र की छात्राओं की कैरियर प्राथमिकता के दूरसंचार व पत्रकारिता, कला व प्रारूप, विज्ञान व तकनीकी, चिकित्सा, पर्यटन व सत्कार उद्योग, कानून व व्यवस्था, शिक्षा क्षेत्रों में रूचि में सार्थक अंतर नहीं पाया गया जबकि कैरियर प्राथमिकता के कृषि, वाणिज्य व प्रबंध, रक्षा क्षेत्रों में रूचि में सार्थक अंतर पाया गया तथा ग्रामीण क्षेत्र की छात्राओं में, षहरी क्षेत्र की छात्राओं की तुलना में कैरियर प्राथमिकता के कृषि, वाणिज्य व प्रबंध, रक्षा क्षेत्रों में बेहतर रूचि पाई गई।

**निष्कर्ष**

माध्यमिक स्तर की षहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र की छात्राओं की कैरियर प्राथमिकता के दूरसंचार व पत्रकारिता, कला व प्रारूप, विज्ञान व तकनीकी, चिकित्सा, पर्यटन व सत्कार उद्योग, कानून व व्यवस्था, शिक्षा क्षेत्रों में रूचि में सार्थक अंतर नहीं पाया गया जबकि कैरियर प्राथमिकता के कृषि, वाणिज्य व प्रबंध, रक्षा क्षेत्रों में रूचि में सार्थक अंतर पाया गया तथा ग्रामीण क्षेत्र की छात्राओं में, षहरी क्षेत्र की छात्राओं की तुलना में कैरियर प्राथमिकता के कृषि, वाणिज्य व प्रबंध, रक्षा क्षेत्रों में बेहतर रूचि पाई गई।

**// संदर्भ ग्रंथ सूची //**


1. भटनागर, आशा एवं गुप्ता, निर्मला (1999) : **गाइडेंस एण्ड काउंसलिंग – ए थ्योरिटिकल प्रसपैक्टिव,** विकास पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
2. भटनागर, आर.पी. (2001) : **गाइडेन्स एण्ड काउंसलिंग इन एजुकेशन एण्ड साइकोलॉजी,** आर. लाल बुक डिपो, मेरठ
3. गुप्ता, एस. पी. (2005) : **सांख्किीय विधियां,** शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद
4. **Afshan (1991)** "Gifted rural and urban girls : Their vocational interest and creativity", M.Phil ., Edu. Univ. of Kashmir , Vth Survey of research in education, 1988-1992 , Vol - 2, pg. 1339.
5. **Baghel, Hemlata and Chaturvedi, Vandana (2013)** "Impact of Personality and Socio-Economic status towards Vocational interests of Secondary School Students", *Journal of multidisciplinary educational research (JMER), Volume I, Issue I, January 2013, Pg. No. 44-48*
6. Bhargava, Vivek and Bhargava, Rajshree (2001): **Manual of Career Preference Record (CPR),** *Har Prasad Institute of Behaviourial studies, Agra.*
7. **Bhardwaj, R.L. (1978)** "Vocational interests as functions of creativity components, intelliguce and socio- economic status among college going students", Ph. D., Psy. Agra Univ., IV the survey of research in edu. Vol. –I ,1983-88 Pg.-342-344,S.No. 355

8. **Mary, John (1981)** "Futuro pesspeetive, self concept, and vocational interest of adolescent" Ph.D. Psy, Madras U. , IV th survey of research in Edu. , Vol – 2 , 1983 -88 , Pg No. 535 , S.No. 597 .
9. **Mohapatra, Manjula Manjari (2004) "**Prediction of vacational interests of +2 students in relation to their values, Occupational Aspiration level and academic achievements", Asian journal of psychology and education, vol. 37, No.1-2, Pg. No. 22-24
10. **Saheb, S.J. (1980)** "A study of academic & non academic abilities in relation to the vocational interest of the entrants to the + 2 stage of schools in family nadu", Ph.D. Edu. , MKU.IV survey of research in education, vol-II 1983-88, Pg No. 1292-1293.
11. **Tomar, J.P.S. (1985)** "A study of occupational interest trends of adolescents and their relation with prevaleut job trends of employment in eastern uttar Pradesh", *Ph.D. Edu. Avadh Univ. IVth Survey of research in education, Vol.I, 1983.*